

UGC NET Paper 3 December 24, 2012 Shift 1 History Question Paper

PAPER-III HISTORY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

D	0	6	1	1
---	---	---	---	---

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

- (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
- (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

HISTORY

इतिहास

PAPER-III

प्रश्नपत्र-III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

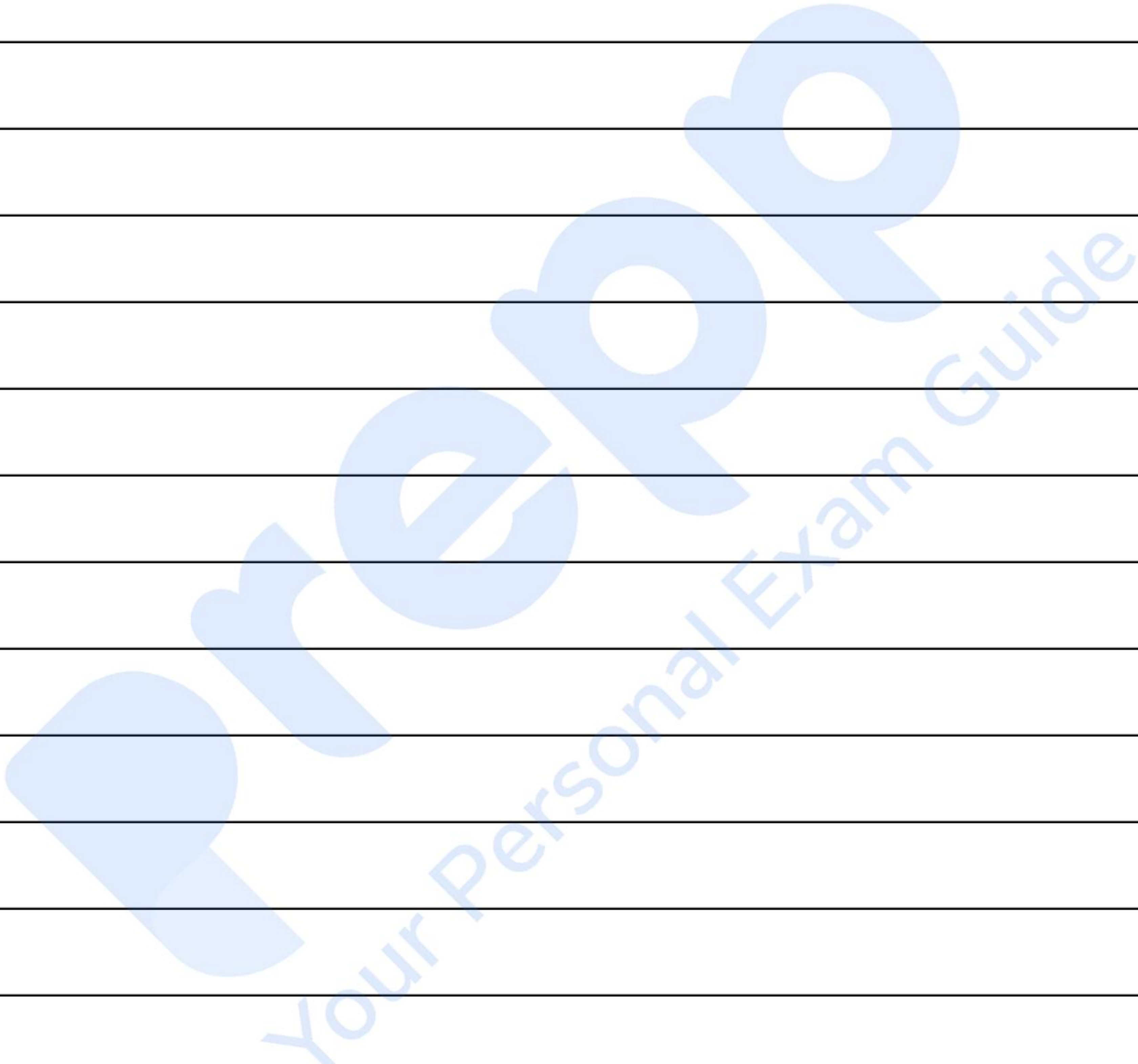
1. Analyse the evolution of social institutions in the Vedic period.
वैदिक युग में सामाजिक संस्थाओं के उद्‌विकास का विश्लेषण कीजिए ।

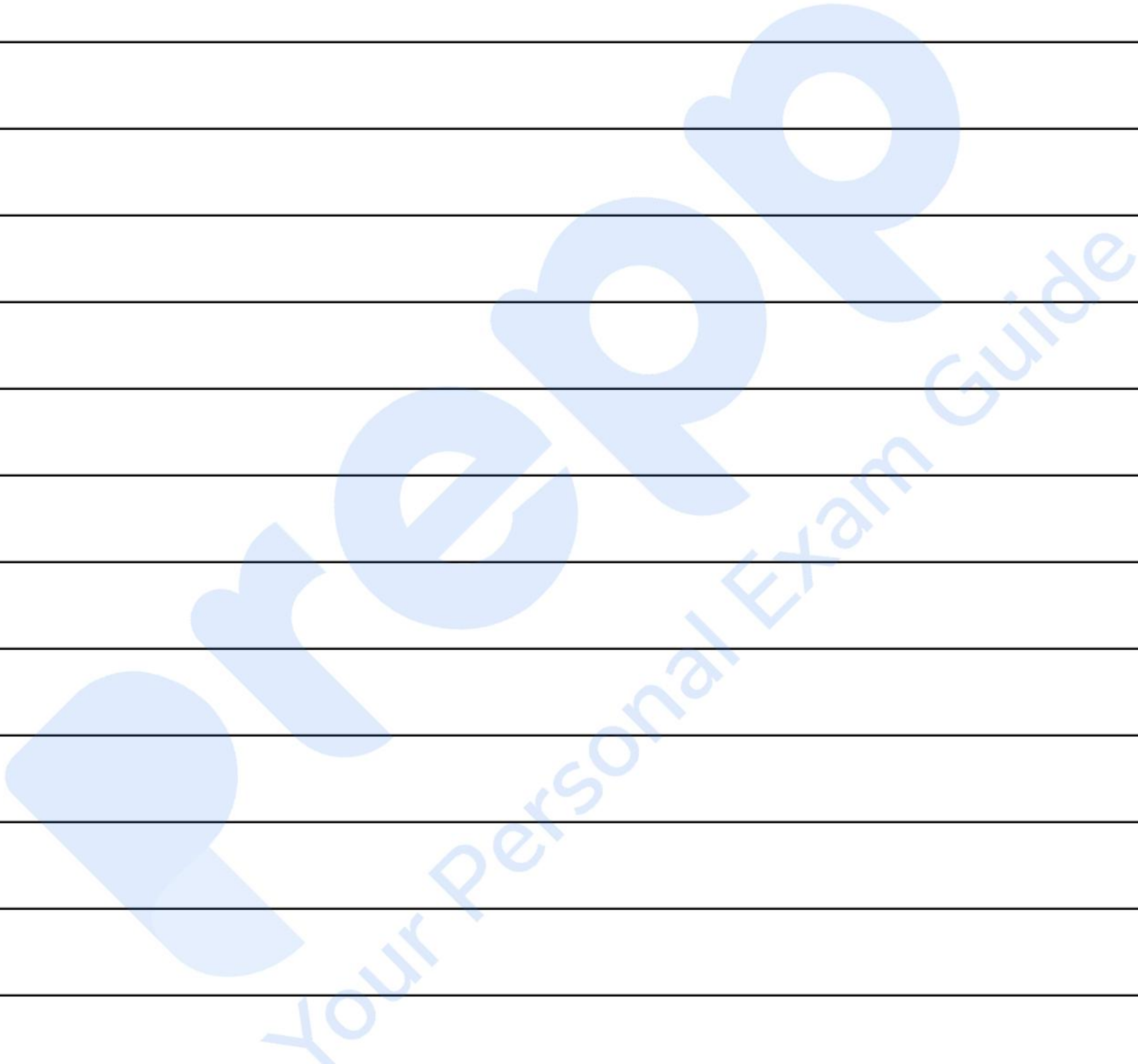
OR / अथवा

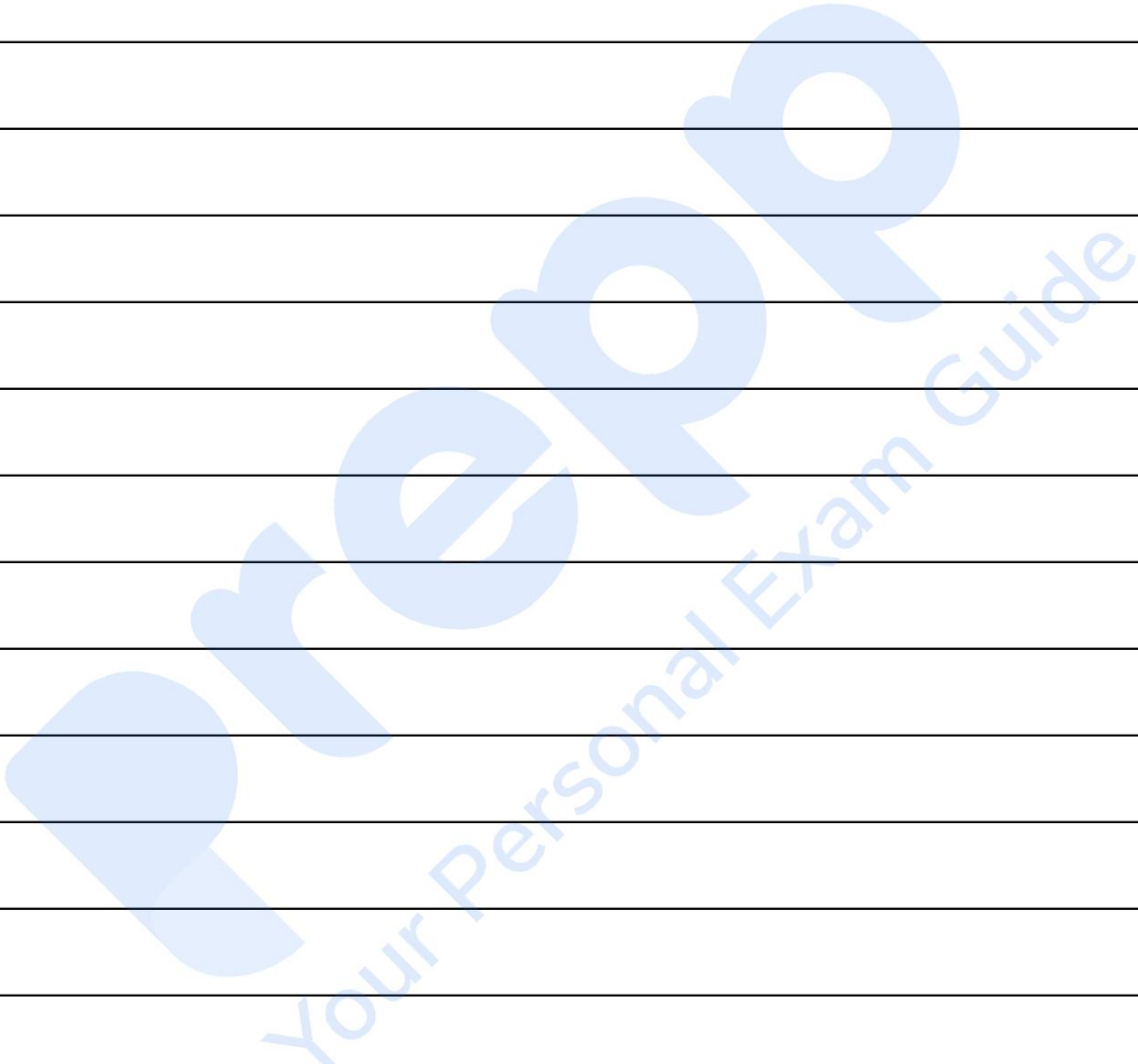
Write an essay on the standard of living of the medieval Indian ruling class.
मध्यकाल में शासकवर्ग के जीवन स्तर पर निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Account for the English success in establishing their rule over India compared to the failure of other contending European powers.
अन्य यूरोपीय शक्तियों की असफलता की तुलना में भारत में साम्राज्य स्थापित करने में अंग्रेजों की सफलता का विवरण दीजिए ।







2. Discuss in detail the importance of the sources for the reconstruction of the history of the Mauryas.

मौर्यों के इतिहास के पुनर्निर्माण में स्रोतों के महत्त्व की विस्तृत व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

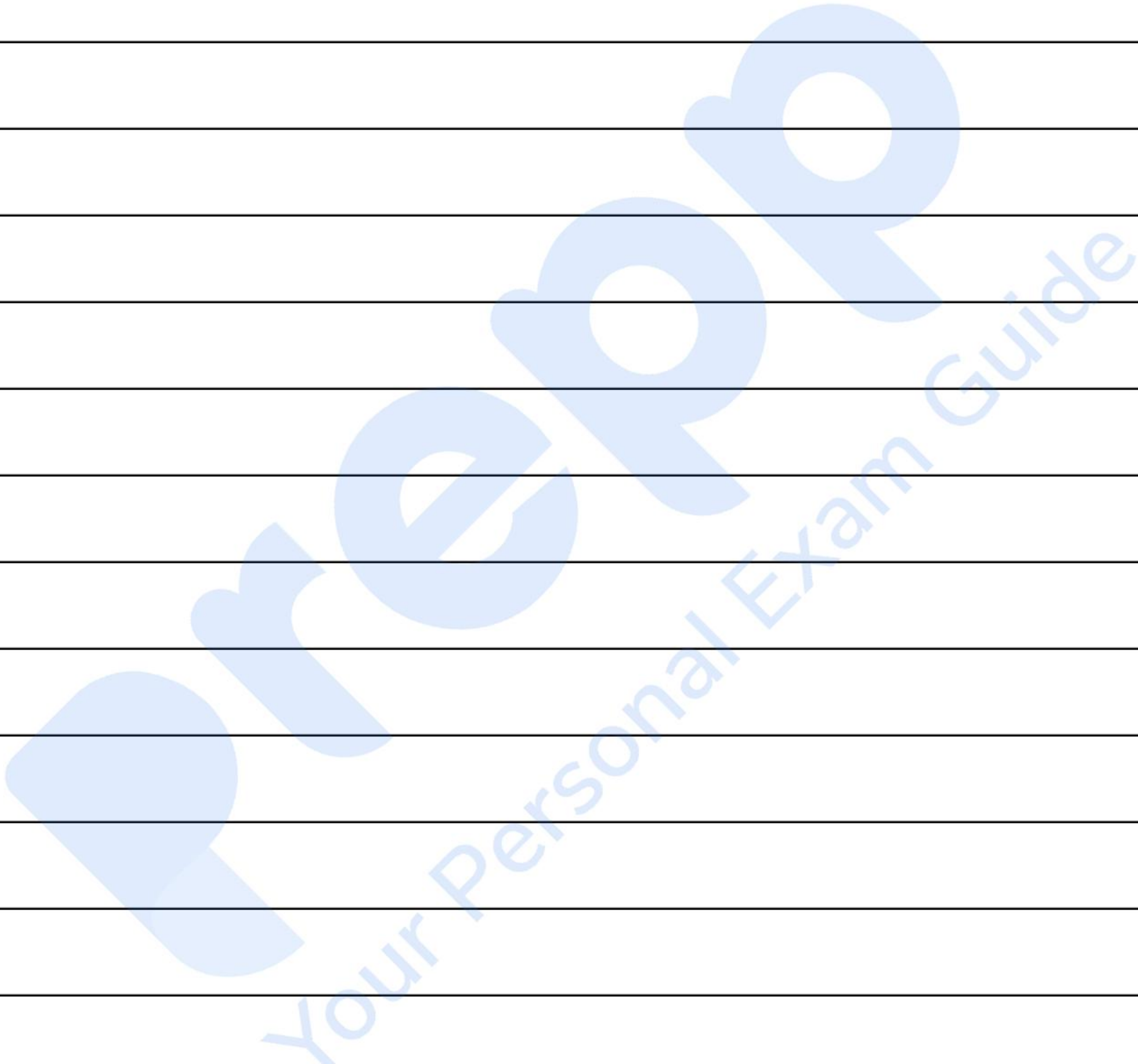
Write an essay on rural credit system in medieval India with reference to relations with the peasants.

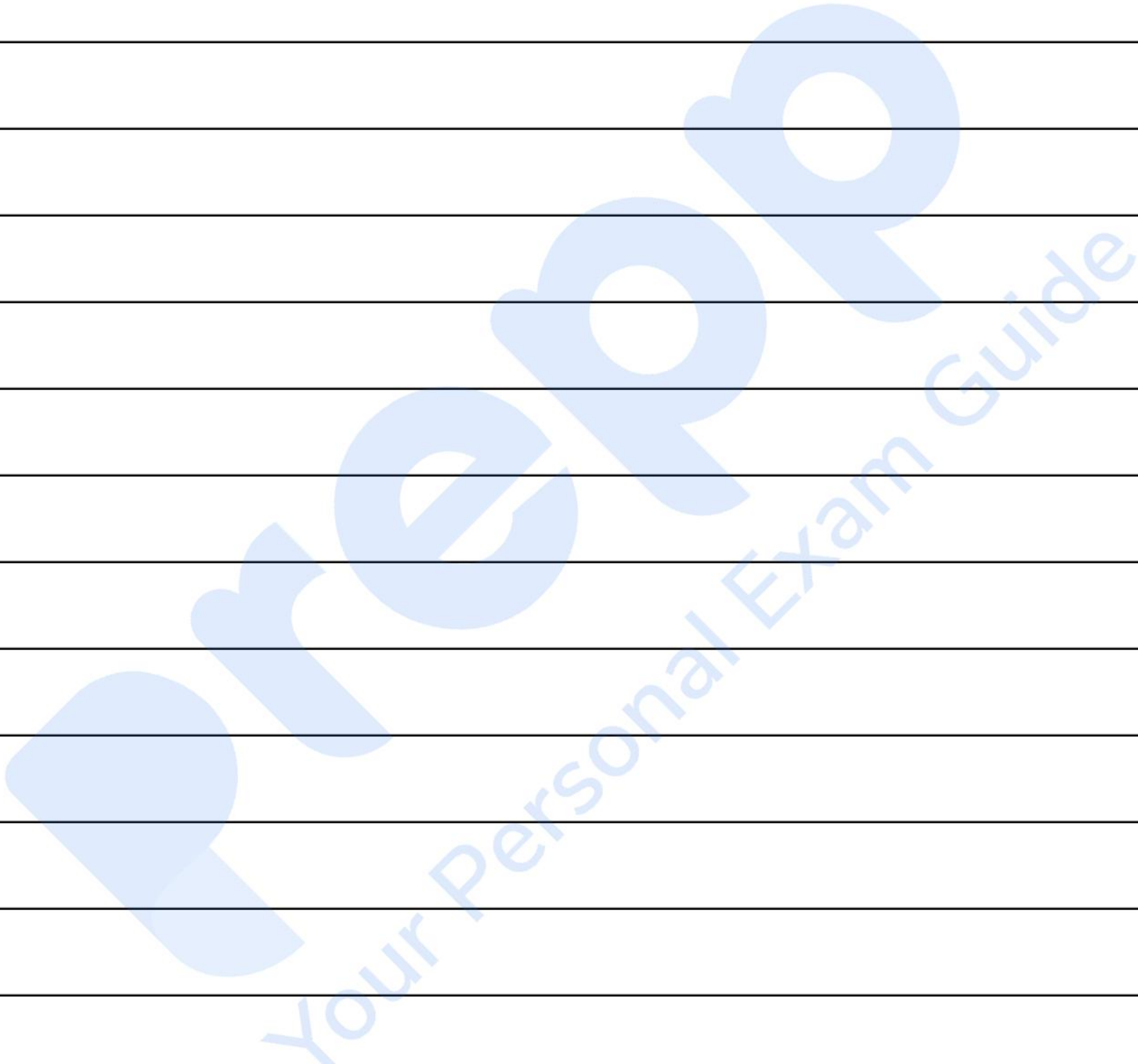
मध्यकालीन भारतीय कृषकों के सन्दर्भ में ग्रामीण ऋण व्यवस्था पर एक निबन्ध लिखिए ।

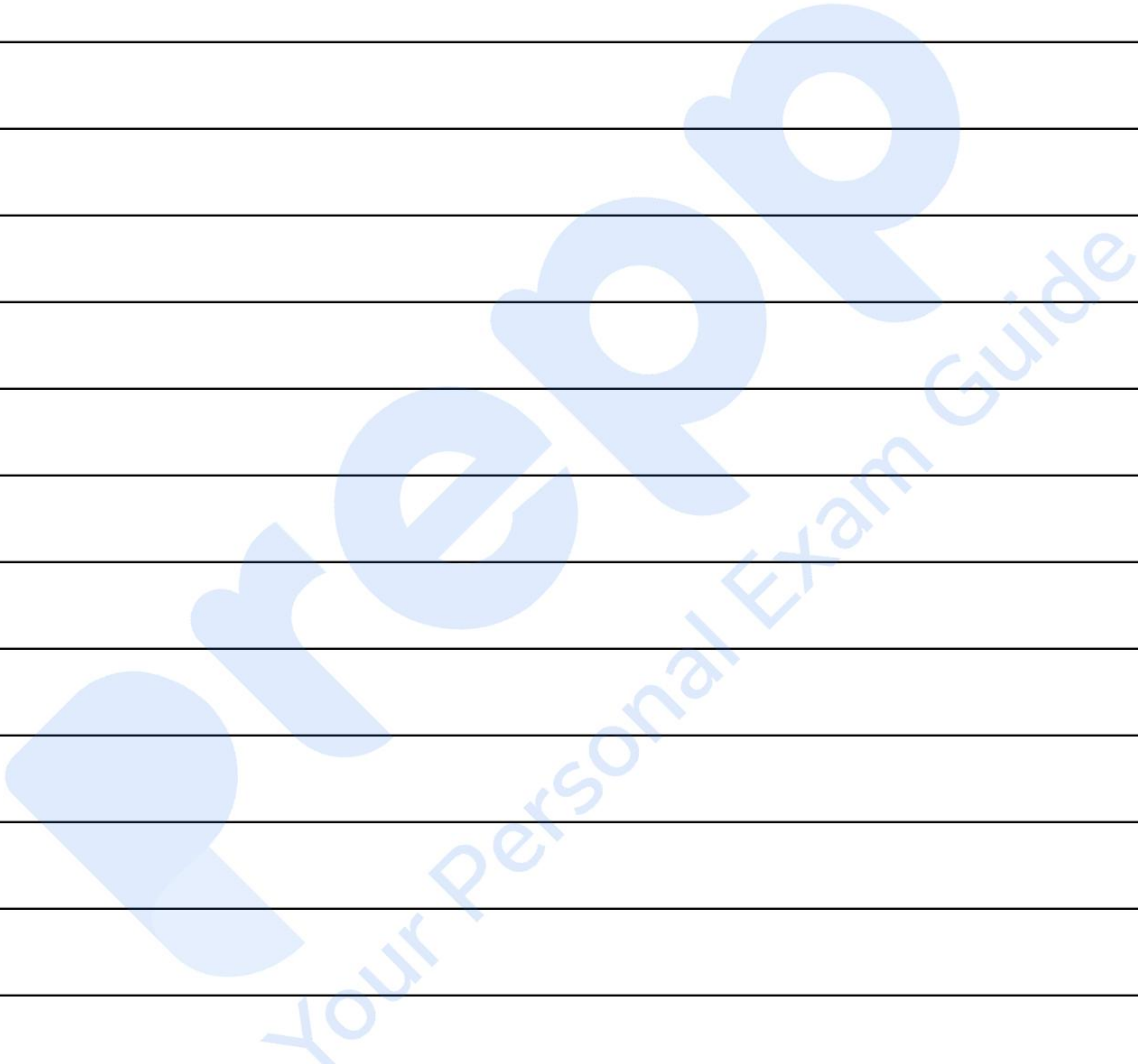
OR / अथवा

How has the de-industrialization theory been recently revised ?

किस रूप में विऔद्योगीकरण सिद्धान्त हाल में संशोधित किया गया है ?







SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / विकल्प – I

3. Bring out the salient features of the religious development in the 6th century B.C.
छठी शताब्दी ई. पूर्व में हुए धार्मिक विकास की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
4. Discuss the main features of the Stupa architecture with special reference to Sanchi Stupa.
साँची स्तूप के विशेष सन्दर्भ में स्तूप वास्तुकला की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।
5. Give an account of the contribution of Ramanuja to the religion and philosophy.
धर्म और दर्शन में रामानुज के योगदान का विवरण दीजिए ।

OR / अथवा

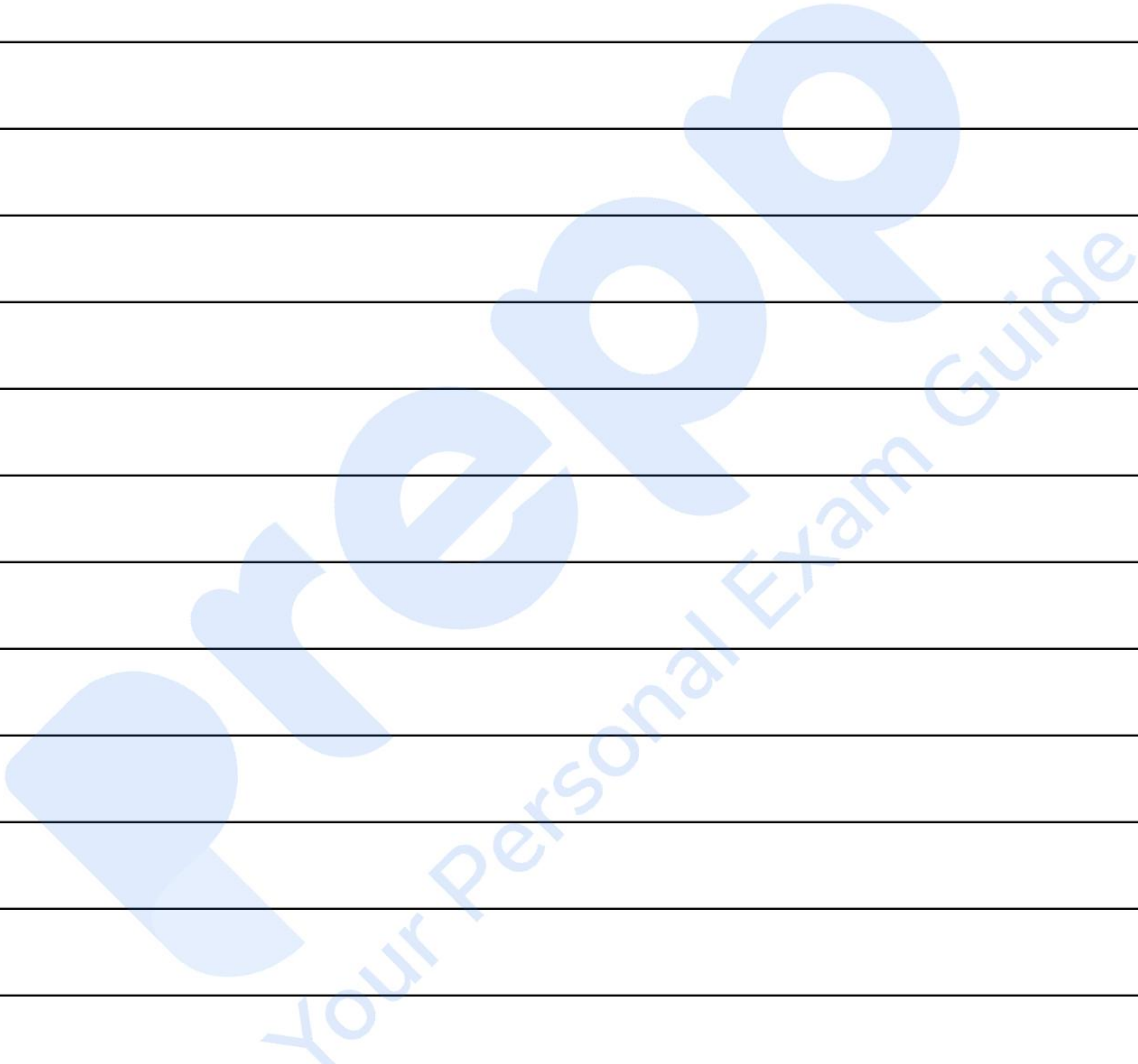
Elective – II / विकल्प – II

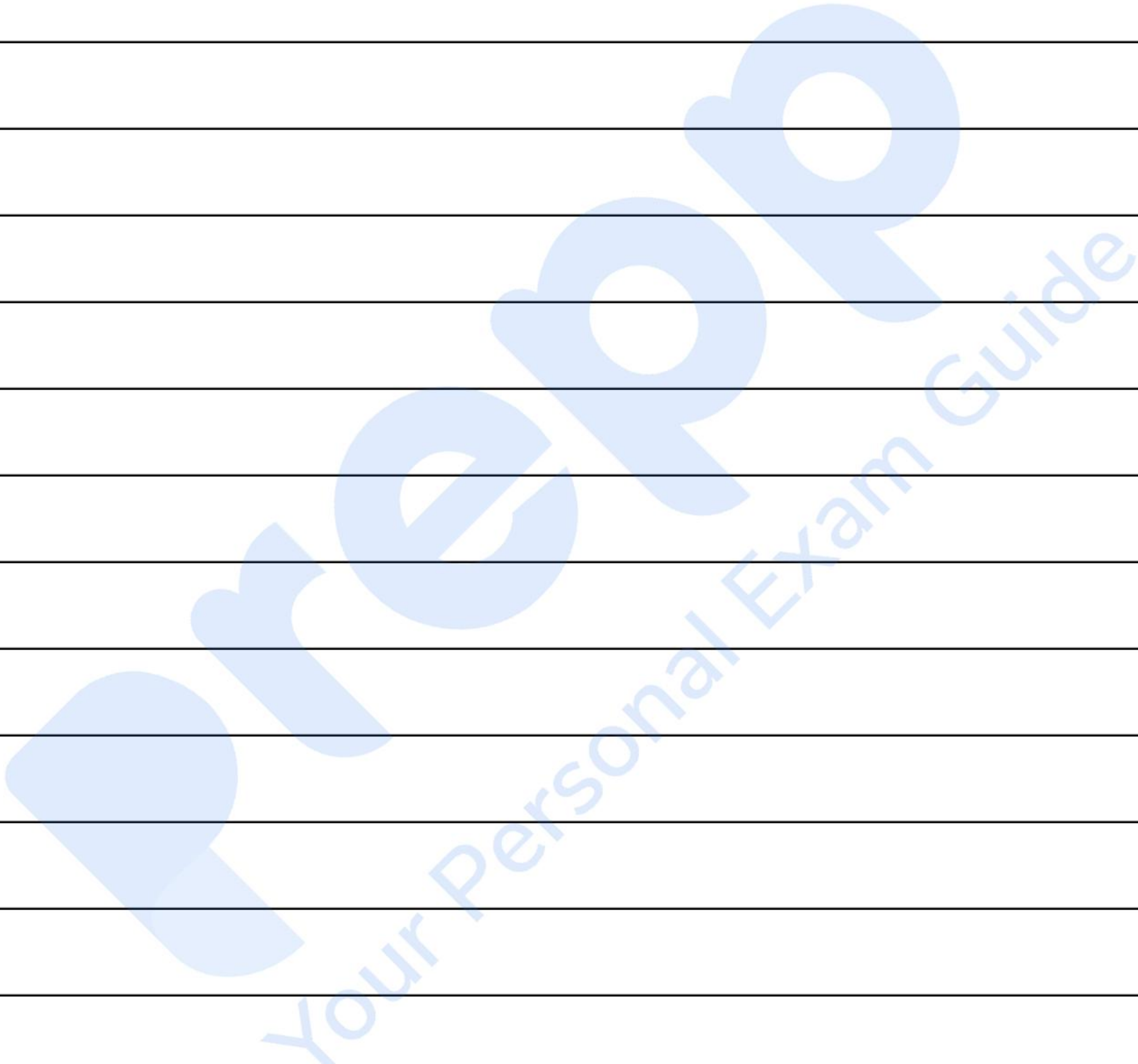
3. Write a note on Razia Sultan as a symbol of empowerment of woman in the sultanate period.
सल्तनत काल में नारी सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में रजिया सुल्तान पर टिप्पणी लिखिए ।
4. How Islam came and influenced the indigenous people in South India ?
दक्षिण भारत में इस्लाम का आगमन कैसे हुआ तथा वहाँ की जनता को किस प्रकार प्रभावित किया ?
5. How did Rishi Sufis play a role in creating composite culture in Kashmir ?
काश्मीर में साझा संस्कृति के निर्माण में ऋषि सूफियों ने कैसी भूमिका का निर्वहन किया ?

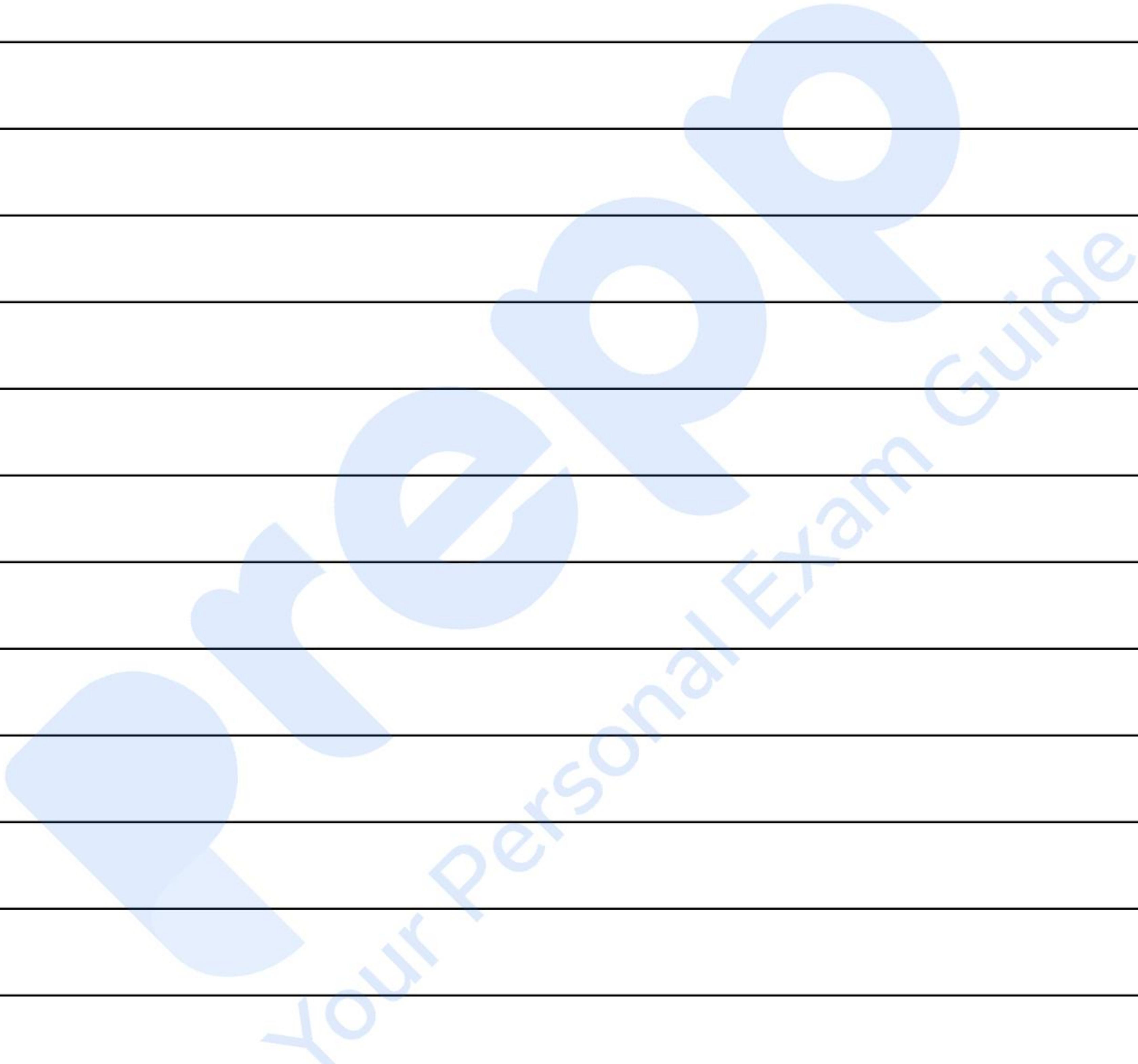
OR / अथवा

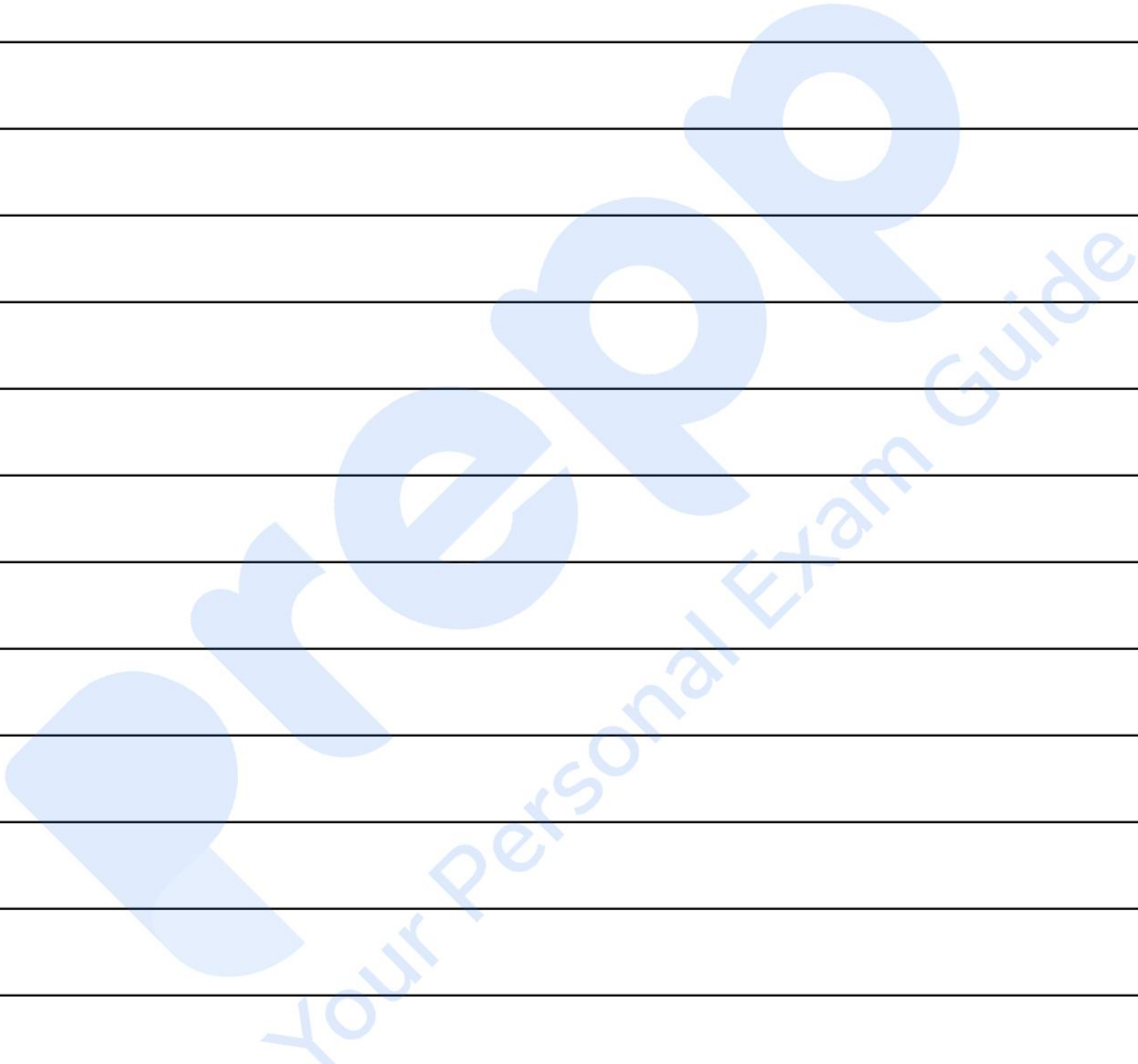
Elective – III / विकल्प – III

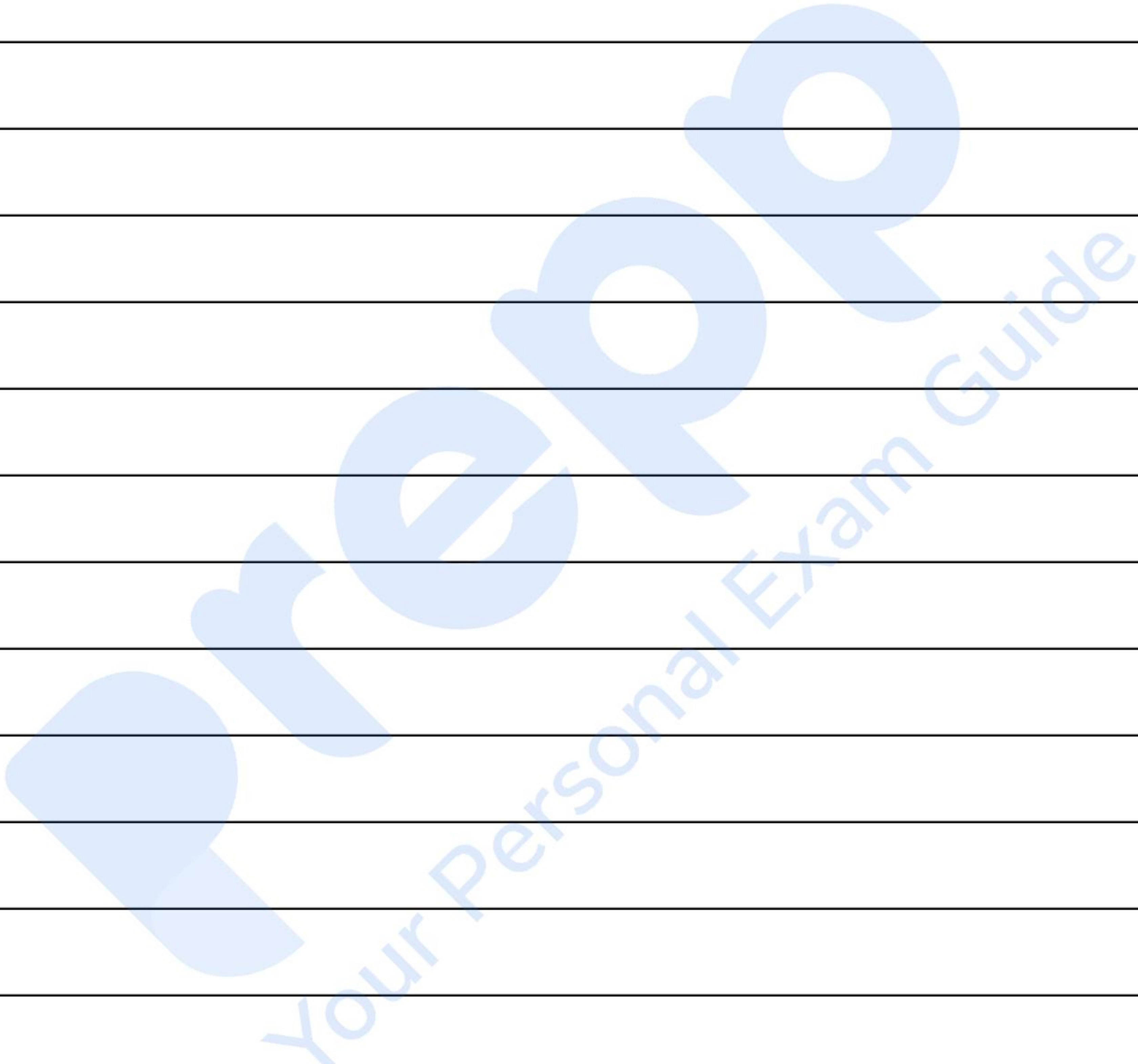
3. How did the Permanent Settlement affect the peasantry in Eastern India ?
पूर्वी भारत में स्थायी बन्दोबस्त ने कृषकों को कैसे प्रभावित किया ?
4. Comment on the response of the educated elite to the early English critique of Indian civilization.
भारतीय सभ्यता की प्रारम्भिक अंग्रेज आलोचकों के प्रति शिक्षित वर्ग की प्रतिक्रिया पर टिप्पणी कीजिए ।
5. Would you argue that nationalism in India was a 'derivative discourse' from the West ?
क्या आप इस तर्क से सहमत हैं कि भारत में राष्ट्रीयता पश्चिम का व्युत्पादित विवाद है ?

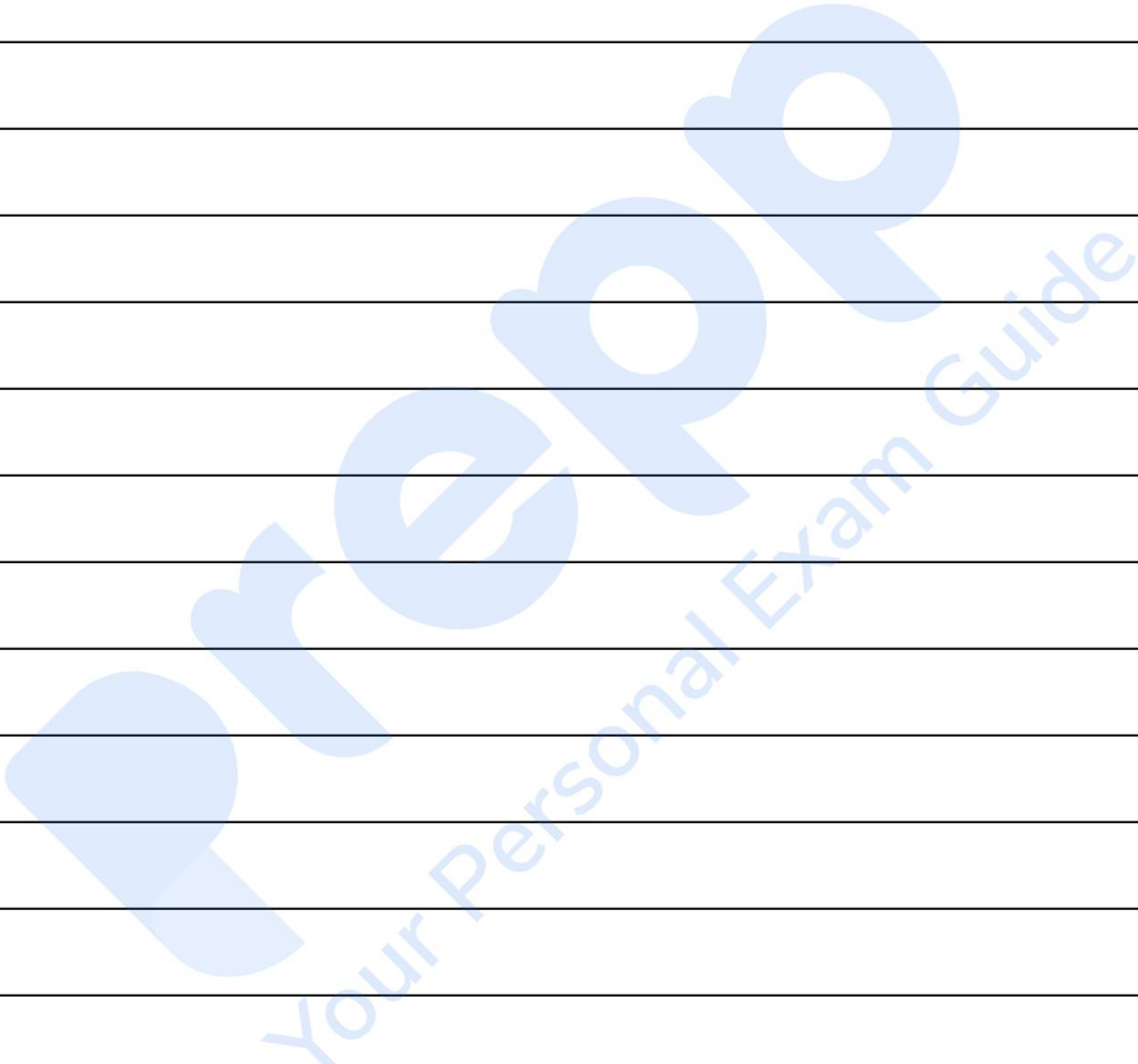


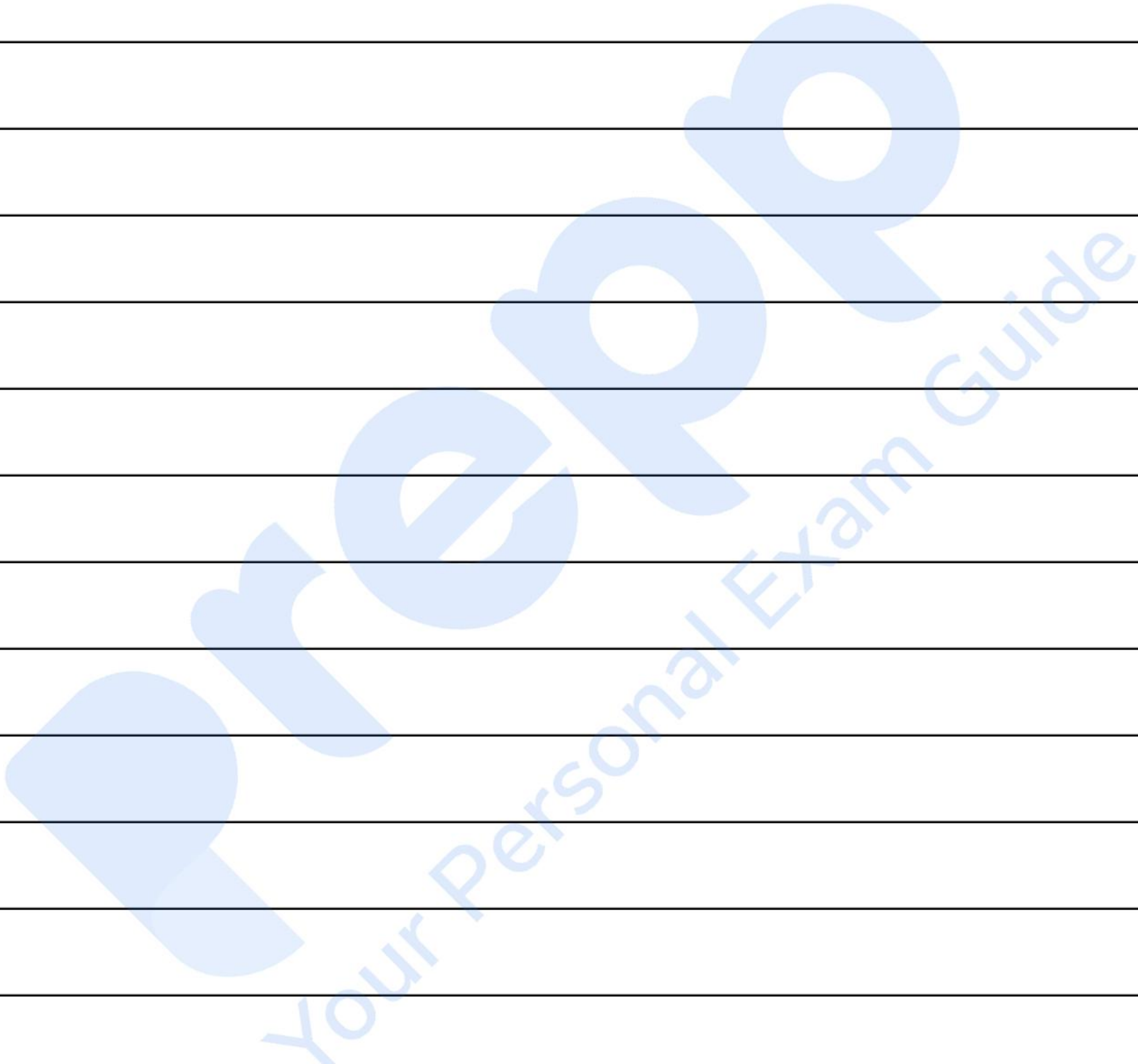












खंड - III

(9 × 10 = 90 Marks)

(9 × 10 = 90 अंक)

- सिन्धु घाटी सभ्यता की धार्मिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

7. Examine the duties assigned to mahamatras by the Emperor Ashoka.
सम्राट अशोक द्वारा महामात्रों को दिये गये दायित्वों का परीक्षण कीजिए ।

8. Write a note on the technique of coin making in ancient India.
प्राचीन भारत में सिक्के निर्माण की तकनीक पर टिप्पणी लिखिए ।

9. How Sama was perceived by conservative Ulema and liberal Sufis ?
अनुदारवादी उलेमा और उदारवादी सूफियों ने किस रूप में समा को समझा ?

10. What is Ain-i-Iradat-i-Ghazinan ?
आईन-ए-ईरादात-ए-गाजीनान क्या है ?

11. Define Mashrut rank.
मशरूत को परिभाषित कीजिए ।

12. What do you mean by the ‘Home charges’ ?
‘होम चार्जेज’ से आप क्या समझते हैं ?

13. State the basic ideological differences between the moderates and the extremists.
नरमदल एवं गरमदल के मध्य आधारभूत वैचारिक मतभेदों का उल्लेख कीजिए ।

14. Why and when did Bardoli become a national issue ?
बारदोली क्यों और कब राष्ट्रीय मुद्दा बन गया ?

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Read the passage given below and answer the questions **15** to **19** that follow, based on your understanding of the passage.

Recent sociological work on caste has increasingly emphasized that the meaningful units here are not the somewhat abstract *varnas* (the theoretical all-India hierarchy as described in Sanskrit texts) but the mass of diverse local *jatis*, united by a varying degree of occupational identity, common rites and customs and taboos on marriages or eating outside the group. The old assumption of an absolutely rigid and unchanging hierarchy of castes has also been rejected and numerous instances are being discovered, in the recent and not-so-recent past, of what M.N. Srinivas called ‘Sanskritizing’ tendencies – *jatis* asserting a higher status for themselves through borrowing customs, manners and taboos from groups traditionally superior to them. In pre-British India, caste mobility had been facilitated by a fluid political system and a land-surplus permitting easy migration. The Sadgops of medieval Bengal, for instance, rose as farmers and traders from out of the originally pastoral Gop community. Migrated into virgin lands along the Bengal-Bihar border, and sometimes also carved out local principalities. The colonial period closed or reduced some of these avenues, but opened up others. Carving out new kingdoms was now impossible and virgin land was increasingly scarce. But improved communications made wider combinations possible, English education increasingly provided a new ladder to social promotion for small but growing minorities, and colonial exploitation did involve (as

we have seen) a process of differentiation which benefited some Indian groups at the expense of others. From the 1901 census onwards, the British also made a direct contribution by trying every ten years to classify castes on the basis of 'social precedence as recognized by native public opinion' – an attempt which immediately encouraged a flood of claims and counter-claims as *jati* leaders jostled for pre-eminence, organized caste associations and invented mythological caste 'histories'.

अधोलिखित परिच्छेद का अध्ययन कीजिए और अपनी समझ के आधार पर दिये गये (15-19) प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

समाजशास्त्र के क्षेत्र में जाति पर होने वाले हालिया शोधों से ज्ञात होता है कि भारत में जाति की अर्थपूर्ण इकाइयाँ संस्कृत ग्रंथों में वर्णित अमूर्त वर्ण (सैद्धांतिक अखिल-भारतीय सोपान) न होकर विभिन्न स्थानीय जाति-समूह हैं । इनकी एकता के सूत्र विभिन्न कोटियों की व्यावसायिक पहचानें सामान्य रीति-रिवाज, बहिर्विवाह और भोजन संबंधी निषेध हैं । यह पुरानी धारणा भी अब अमान्य हो चुकी है कि जातियों का सोपान अत्यंत कठोर एवं अपरिवर्तनीय होता था । कुछ पुराने और हाल ही के ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिन्हें एम.एन. श्रीनिवास 'संस्कृतिकरण' की प्रवृत्तियाँ कहते हैं - अर्थात् जातियाँ अपने से परंपरागत रूप से श्रेष्ठ जातियों के रीति-रिवाज एवं विधि-विशेष अपनाकर स्वयं भी श्रेष्ठता का दावा करती हैं । ब्रिटिश-पूर्व भारत में परिवर्तनशील राजनीतिक व्यवस्था के कारण अतिरिक्त भूमि के सुलभ होने और इस कारण प्रदेशांतरण के आसान होने के कारण जातियों में पर्याप्त गतिशीलता आई थी । उदाहरण के लिए, मध्यकालीन बंगाल के सदगोप मूलतः चरवाहे गोप समुदाय के लोग थे, किंतु धीरे-धीरे वे बंगाल और बिहार की सीमावर्ती खाली पड़ी भूमि पर बसने लगे और बाद में कृषक और व्यापारी बन गए । कभी-कभी तो इन्होंने अपनी स्थानीय हुकूमतें भी कायम कर लीं । अंग्रेजों के काल में जातिगत गतिशीलता के ये अवसर बंद या कम हुए तो अन्य मार्ग खुल भी गए । नए राज्यों का निर्माण असंभव हो गया था और परती भूमि दिनोदिन कम होती जा रही थी । किंतु सुधरे हुए संचार-साधनों ने व्यापक संयोजनों को संभव बनाया । अंग्रेजी शिक्षा छोटे किंतु बढ़ते हुए समुदायों के लिए सामाजिक प्रोन्नति का नया सोपान सिद्ध हुई और, जैसाकि हम देख चुके हैं, उपनिवेशवाद ने विभेदीकरण की एक प्रक्रिया आरंभ की थी जिसमें कुछ समूहों को अन्य समूहों की कीमत पर लाभ मिले । 1901 की जनगणना के पश्चात् तो इसमें ब्रिटिश सरकार का सीधा योगदान भी रहा । प्रत्येक दशक के पश्चात् जातियों को 'देशी जनमत द्वारा मान्यताप्राप्त सामाजिक श्रेष्ठता के आधार पर' श्रेणीबद्ध किया जाता था । इसके परिणामस्वरूप तत्काल ही दावों और जवाबी दावों की बाढ़ आ जाती थी । विभिन्न जातियों के नेता अपनी-अपनी श्रेष्ठता स्थापित करने के लिए लड़ने लगते, जातिगत समितियाँ संगठित करते और जातियों के पौराणिक इतिहास गढ़ने लगते ।

15. How has the old notion of caste as a social unit been recently revised ?
जाति व्यवस्था की प्राचीन धारणा किस प्रकार हाल में पुनः प्रचलित हुई ?

16. What does Sanskritization actually refer to ?
संस्कृतिकरण का वास्तविक सन्दर्भ क्या है ?

17. What did actually facilitate the caste mobility in pre-British India ?
पूर्व ब्रिटिश भारत में जाति गतिशीलता किन वास्तविक कारणों से सुसाध्य हुई ?

18. How did colonial rule change the means of social mobility ?
औपनिवेशिक साम्राज्य ने किस प्रकार सामाजिक गतिशीलता के साधनों में परिवर्तन किया ?

19. How did British use the question of caste identity to further their political ends ?
अपने राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किस प्रकार अंग्रेजों ने जाति पहिचान के प्रश्न का उपयोग किया ?

Space For Rough Work



FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)
(in figures)
Signature & Name of the Coordinator
(Evaluation) Date